

अध्याय - 1 | पृथ्वी पर स्थानों की स्थिति

**QUIZ
PART-02**

1. पृथ्वी का मानचित्र बनाना कठिन क्यों है?
- पृथ्वी बहुत छोटी है
 - पृथ्वी की आकृति लगभग गोलाकार है
 - पृथ्वी सपाट है
 - पृथ्वी पर पानी नहीं है
- (B)

व्याख्या: पृथ्वी की आकृति लगभग गोलाकार होने के कारण उसे सपाट काग़ज पर ठीक तरह से बनाना कठिन होता है।

2. पृथ्वी किस स्थान पर थोड़ी चपटी होती है?
- मूमध्य रेखा पर
 - समुद्र तल पर
 - ध्रुवों पर
 - पर्वतों पर
- (C)

व्याख्या: PDF के अनुसार पृथ्वी ध्रुवों पर थोड़ी चपटी होती है, जबकि बीच में फूली हुई।

3. समानांतर रेखाओं को क्या कहा जाता है?
- देशांतर
 - अक्षांश
 - कक्षा
 - भू-रेखाएँ
- (B)

व्याख्या: जो रेखाएँ पूर्व से पश्चिम की ओर होती हैं और एक-दूसरे के समानांतर होती हैं, उन्हें अक्षांश कहते हैं।

4. सबसे बड़ा अक्षांश वृत्त कौन-सा है?
- कर्क रेखा
 - मकर रेखा
 - तुषारवृत्त
 - मूमध्य रेखा
- (D)

व्याख्या: मूमध्य रेखा पृथ्वी का सबसे बड़ा अक्षांश वृत्त है।

5. मूमध्य रेखा का अक्षांश कितना होता है?
- 30°
 - 45°
 - 0°
 - 90°
- (C)

व्याख्या: मूमध्य रेखा को 0° अक्षांश माना जाता है।

6. उत्तरी ध्रुव का अक्षांश कितना होता है?
- 60° 30'
 - 45° 30'
 - 30° 30'
 - 90° 30'
- (D)

व्याख्या: उत्तरी ध्रुव का अक्षांश 90° उत्तर होता है।

7. मूमध्य रेखा के निकट जलवायु कैसी होती है?
- बहुत ठंडी
 - मध्यम
 - गर्म
 - हमेशा बरसाती
- (C)

व्याख्या: मूमध्य रेखा के आसपास जलवायु सामान्यतः गर्म (उष्ण) होती है।

8. जैसे-जैसे अक्षांश बढ़ता है, जलवायु में कौन-सा परिवर्तन होता है?
- अधिक गर्म होती है
 - अधिक ठंडी होती जाती है
 - गर्म और ठंडी दोनों रहती है
 - कोई परिवर्तन नहीं होता
- (B)

व्याख्या: मूमध्य रेखा से दूर ध्रुवों की ओर जाने पर तापमान कम होता जाता है और जलवायु ठंडी होती जाती है।

9. ग्लोब को मानचित्र की तुलना में अधिक सटीक क्यों माना जाता है?
- वह रंगीन होता है
 - वह धूमता है
 - उसका आकार पृथ्वी जैसा होता है
 - वह काँच का बनता है
- (C)

व्याख्या: ग्लोब पृथ्वी की वास्तविक गोलाकार आकृति का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए अधिक सटीक माना जाता है।

10. अक्षांशों का उपयोग किसके निर्धारण के लिए किया जाता है?
- पर्वतों की ऊँचाई
 - समुद्र की गहराई
 - किसी स्थान की उत्तर-दक्षिण स्थिति
 - देशों की सीमाएँ
- (C)

व्याख्या: अक्षांशों से किसी स्थान की उत्तर या दक्षिण दिशा में स्थिति का पता लगाया जाता है।